सरदार पटेल के विचार हमारे देश में लोकतंत्र और एकता का आधार हैं : लोक सभा अध्यक्ष

...

लोक सभा अध्यक्ष ने संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि दी

...

मंत्रियों, संसद सदस्यों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी केन्द्रीय कक्ष में सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धासुमन अर्पित किए

...

विभिन्न कॉलेजों और स्कूलों के बच्चों ने भी सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि दी

...

नई दिल्ली; 31 अक्टूबर, 2023: लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री; उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री; और वस्त्र मंत्री श्री पीयूष गोयल; केंद्रीय विधि और न्याय, संसदीय कार्य और संस्कृति राज्य मंत्री, श्री अर्जुन राम मेघवाल; और राज्य सभा में विपक्ष के नेता, श्री मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी सरदार वल्लभभाई पटेल को पुष्पांजलि अर्पित की। संसद सदस्यों, पूर्व संसद सदस्यों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी आज सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ लोक सभा के महासचिव, श्री उत्पल कुमार सिंह; और राज्य सभा के महासचिव, श्री पी.सी. मोदी तथा लोक सभा और राज्य सभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी सरदार पटेल को श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, श्री बिरला ने आधुनिक भारत को आकार देने में सरदार पटेल के महत्वपूर्ण योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि एक सशक्त संविधान तैयार करने में

लौह पुरुष की सराहनीय भूमिका को हमेशा याद किया जाएगा। श्री बिरला ने कहा कि हमारे पास एक मजबूत और महत्वपूर्ण संविधान है, जो सरदार पटेल जैसे हमारे नेताओं के अथक प्रयासों का परिणाम है। श्री बिरला ने यह भी कहा कि सरदार पटेल का जीवन हम सभी के लिए एक प्रेरणास्रोत है, जिससे हमें पूरी निष्ठा से देश के कल्याण के लिए समर्पित होने की प्रेरणा मिलती है। श्री बिरला ने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों का उद्गम स्थल या "लोकतंत्र की जननी" कहलाने वाले भारत के पास एक महत्वपूर्ण विरासत है। श्री बिरला ने इस बात का उल्लेख भी किया कि सरदार पटेल जैसे नेताओं के अमूल्य योगदान से देश की लोकतांत्रिक विरासत समृद्ध हुई है।

श्री बिरला ने भारत की आजादी के समय विभिन्न रियासतों को एकजुट करते हुए उन्हें नवगठित राष्ट्र में शामिल करने में सरदार पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख भी किया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के कारण ही सरदार पटेल को "आधुनिक भारत के वास्तुकार" की उपाधि मिली। श्री बिरला ने एकजुट और समावेशी भारत के प्रति सरदार पटेल की दृढ़ प्रतिबद्धता के बारे में भी बात की, जो हमारे देश के लोकतंत्र और एकता की आधारशिला है। श्री बिरला ने आगे कहा कि सरदार पटेल का दृष्टिकोण, नेतृत्व और राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का शाश्वत स्रोत रहेगी।

श्री बिरला ने कार्यक्रम के आयोजन स्थल, संविधान सदन और विशेष रूप से विदेशी अधीनता से स्वतन्त्रता के बाद लोकतंत्र की स्थापना तथा राष्ट्र-निर्माण की यात्रा के साक्षी रहे प्रतिष्ठित केंद्रीय कक्ष के महत्व के बारे में भी बात की। अध्यक्ष महोदय ने युवा प्रतिभागियों से कहा कि यह गर्व की बात है कि सरदार पटेल ने हमारे देश और देशवासियों के प्रति अटूट समर्पण की भावना के साथ, इसी कक्ष में बैठकर एक मजबूत संविधान तैयार किया, जिससे प्रत्येक भारतीय नागरिक के लिए अधिकार, समानता और न्याय सुनिश्चित हुआ।

श्री बिरला ने प्रतिभागियों को एकता की शपथ दिलाई और उनसे अपने और देश के सुनहरे भविष्य के लिए दृढ़ संकल्प से प्रयास करने का आग्रह किया। यह कहते हुए कि नए भारत का निर्माण नई पीढ़ी द्वारा किया जाएगा, श्री बिरला ने प्रतिभागियों से नई ऊर्जा से चुनौतियों का सामना करते हुए नई दिशा में आगे बढ़ने का आग्रह किया।

इस अवसर पर उत्तराखंड विधान सभा की अध्यक्ष, श्रीमती ऋतु खंडूरी भूषण भी उपस्थित थीं।